

[Shri Vayalar Ravi]

backward classes. This group, led by an important leader, even tried to assault the Defence Minister, Mr. Jagjivan Ram, and tried to prevent him from attending the meeting. He was forced to withdraw from the meeting without attending it.

The whole incident draws the attention of the nation to the new trend developing in this country which may explode the caste conflict into society. It is unfortunate that the ruling party itself is creating a situation in the country in which the people enter into caste conflict and confrontation.

The incident in Patna has to be condemned by all sections of the House as it may lead to a dangerous development. The way things are moving has to be controlled and order must be restored in the nation.

I have no surprise over the behaviour of this group of people especially at the meeting of Shri Jayaprakash Narain, as all these incidents are the off-shoot of the total revolution which means nothing but confusion. May I appeal to the Government to take necessary steps to ensure that such a caste conflict and confrontation is not developed and to take measures to protect the interests of the weaker sections?

SHRI ANWAR LAL GUPTA: I want to make a submission on this.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have allowed another Member to make a submission on the same point. Shri O. P. Tyagi.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: Please allow me for a minute.

MR. DEPUTY-SPEAKER: He has already written.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: This is a very important matter.

(v) **REPORTED INCIDENT OF STONE THROWING ON SHRI JAGJIVAN RAM AT PATNA**

श्री श्रीम प्रकाश त्यागी (बहराइच) : यह बहुत गम्भीर विषय है। पटना में जो घटना घटी है उसके पीछे भाड़ यह ली गई है कि पिछड़े वर्ग के लिए रिजर्वेशन किया गया है। वास्तविकता यह है कि इस प्रकार की एक घटना, अपमानजनक घटना श्रेय बाबू जगजीवन राम के माथ वाराणसी में भी हुई थी। जब सम्पूर्णानन्द की मूर्ति का घनावरण हुआ, तो उन्हे गंगाजल के पानी से धोया गया बाद में। और इस तरह से न केवल बाबू जगजीवन राम का अपमान किया गया अपितु मन्चे देग की अनुसूचित जाति का अपमान हुआ। लेकिन वह किया किस ने? यह सब जानते हैं। इन्दिरा कांग्रेस के यूप विंग ने किया और उनकी ओर से कोई स्टेटमेंट. (स्वयंशान)

SHRI VASANT SATHE: **

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Sathé, if you go on like this nothing will go on record.

MR. DEPUTY-SPEAKER: All these words ** will be expunged.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: May I ask you whether the word used by him is parliamentary or not?

MR. DEPUTY-SPEAKER: They will be expunged. All unparliamentary words will be expunged.

SHRI VASANT SATHE: I will say it ** Will it be parliamentary?

MR. DEPUTY-SPEAKER: All this will be expunged.

SHRI VASANT SATHE: I will correct myself. It is completely untrue.

श्री श्रीमत् प्रकाश त्पागी : उपाध्यक्ष जी, साठे जी बहुत बेचन ही गए हैं। उन्होंने मुझे ** काचित किया है। परन्तु मैं कहना चाहता हूँ कि श्री कमलापति सिपाठी का उस संस्था से सम्बन्ध है, उन के भाई वहाँ प्रिन्सिपल हैं। अब जयप्रकाश जी के ऊपर जो पबराब हुआ, झाड़ भी गई पिछड़े वर्ग के लिए सीट के सम्बन्ध में। कैबिनेट में चर्चा चल रही है, अभी निर्णय नहीं हुआ है। जयप्रकाश जी के साथ उनका कोई सम्बन्ध नहीं है। महोत्सव हो रहा था उनकी बर्षगांठ के उपसल में, उन पर चप्पल और पत्थर फेंके गये बयस पर। उनको बोलने नहीं दिया गया। और उनकी सभा में पंजाब के चीफ मिनिस्टर जा रहे थे, उनकी सभा में बोलने के लिए हरियाणा के चीफ मिनिस्टर जा रहे थे। गृह राज्य मंत्री श्री मण्डल जा रहे थे।

गृह सलाहकों राज्य मंत्री (श्री धनिक लाल मण्डल) : हम ये वहाँ।

श्री श्रीमत् प्रकाश त्पागी : श्रद्धेय बाबू जगजीवनराम जा रहे थे। यह गम्भीर घटना है। उनकी कारसे राष्ट्रीय ध्वज को उतर कर फेंका गया, उन पर पत्थर फेंके गये। अपमान किया और किसी को बहा नहीं जाने दिया गया, श्री जयप्रकाश जी के खिलाफ नारे गाये गये। यह विरोध पक्ष हैं, म.उं जी बैचैन जरूर होंगे, लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि इस देश में सब से ज्यादा ला एण्ड आर्डर खराब करने के लिए, फिर इसारा करणा वही जो मैं कह चुका हूँ, इन्दिरा काप्रेस ग्रुप जिम्मेदार हैं, वही कर रहा है।

मैं सरकार को चेतावनी देना चाहता हूँ कि अगर आपने समय पर पग नहीं उठाया, अगर किसी के भी द्वारा आयोजित सभाओं में इस तरह से विरोध पक्ष गड़बड़ करने लगा, पत्थर और चप्पल मारने लगा

तो यह होड़ कहां की कहां पहुंचेगी, और देश में किसी भी पार्टी की सभा नहीं हो सकेगी। इस लिए ला एण्ड आर्डर की एक बहुत बड़ी समस्या है। सरकार को कड़ाई के साथ ऐसी प्रवृत्तियों का ध्वन करना चाहिए। श्रद्धेय श्री जयप्रकाश नारायण का अपमान किसी भी अवस्था में सहन नहीं किया जा सकता है। (व्यवधान)

13 hrs.

श्री बसन्त साठे : वे लोग श्री कर्पूरी ठाकुर के खिलाफ नारे लगा रहे थे। पबराब उन के भ्राने पर हुआ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: You cannot interrupt like this.

श्री बसन्त साठे : सत्य सामने आना चाहिए।

श्री कबर लाल गुप्त : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे इतना ही कहना है कि श्री जयप्रकाश नारायण के साथ जो कुछ हुआ, उसके बारे में सारा देश चिन्तित है। श्री जयप्रकाश नारायण, श्री कृपालानी और श्री जगजीवन राम वहाँ पर थे। वहाँ पर चप्पल और पत्थर फेंके गए। पहले जो कुछ होता था वह तो हमने भुगता। लेकिन आज जहा पर जनता पार्टी का शासन है, वहा पर इस प्रकार की घटना हो, यह ठीक नहीं है—यह देश में किसी के लिए भी ठीक नहीं है। आज भी कुछ लोग हैं, आज भी ये तत्व जिन्दा हैं—श्रीग वे ताकत पकड़ रहे हैं—, जो एनार्की पैदा करना चाहते हैं।

SHRI VASANT SATHE: I agree with him Today, he is talking sense. I support him there.

श्री कबर लाल गुप्त . गृह मंत्री यहाँ पर हैं। मैं चाहता कि वह इस की एनक्वायरी करायें, क्योंकि श्री जयप्रकाश नारायण उन लोगों में से हैं, जिन्होंने देश में क्रान्ति लाई। अगर उन की सभा में भी यह हाल

[श्री कब्रार जाल मुक्ता]

हो सकता है, तो यह देश के लिए, सब के लिए, इधर या उधर बैठने वाले सदस्यों के लिए—हम सब के लिए, धर्म की बात है। मैं योही महोदय से कहूँगा कि वह इस घटना की जाँच करायें :

13.02 hrs.

The Lok Sabha adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha reassembled after Lunch at six minutes past Fourteen of the Clock.

[SHRI D. N. TIWARY in the Chair]

GENERAL BUDGET, 1978-79— GENERAL DISCUSSION

MR. CHAIRMAN: Now we take up General Discussion on the Budget (General) for 1978.

Mr. C. Subramamam.

SHRI C. SUBRAMANIAM (Palani): Mr. Chairman, Sir, I would like to thank the Chair and the House for, once again, giving me the privilege of initiating the budget debate.

When the hon. Finance Minister presented the Budget, I congratulated him. Today I want to tell him that that felicitation is subject to many major reservation.

The Janata Government has been in position now for a year, within a few days, it will be completing one year. Therefore, when we consider the Budget the Budget figures, more than anything else, we have to look into the management of the economy by the Janata Government and how the economy has behaved in general. One advantage—a major advantage—which the Janata Government had to begin with was that the objective economic factors were largely favourable for a dynamic growth. For that I do not depend upon my statement. I depend upon what the Finance Minister has stated in his Economic Survey; he has stated:

"The most notable feature of the economic situation in 1977-78 was the absence of any serious constraint on economic growth. In the past, shortages of food and foreign exchange have been the two major factors which have acted as a brake on economic growth. The current year began with stocks of food-grains of 18 million tonnes which rose to 20 million tonnes by the end of June, 1977."

Of course, if I say that they inherited this from us, they would protest, therefore, I would not rub it into them. But this is a fact.

Sometimes it has been stated that we were short of rupee resources. In my view, this is not a proper understanding of the economic and financial situation. As a matter of fact, if we look into the figures with regard to deposits in banks, etc., we will find that on the whole savings have exceeded investment. Therefore, there was no lack of rupee resources also. Rupee resources were available.

With all these favourable factors, what has been the performance of the economy? Before going into the figures I would like to refer to the general assessment which the economic review makes with regard to the functioning of the economy.

Dealing with industrial production, this is now it is summarised:

"Over a very large spectrum of industries, however, production changes have been confined in rather narrow limits" (other points also have been made earlier) "So that the general impression is more one of relative stagnation than of sustained progress".

This is the over-all assessment given in the Economic Review. This is with regard to current production during the year. The future depends upon how the investment climate has been and how the investment has been made. For that also I would rely on the statement made by the Hon. Fin-